भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

30.11.2016 को लोक सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 2377

यूरेनियम और थोरियम का भंडार

2377. **श्री रावसाहेब पाटील दानवे:**

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में यूरेनियम और थोरियम के बड़े भंडार हैं जिनका उपयोग नहीं किया गया है:

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा इन बड़े भंडारों का निष्कर्षण और उपयोग करने के लिए क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हाँ।

(ख) परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) की एक संघटक इकाई परमाणु खनिज अन्वेषण व अनुसंधान निदेशालय (पखनि) के पास देश में यूरेनियम एवं थोरियम वाले परमाणु खनिजों के संसाधनों की पहचान व मूल्यांकन करने का अधिदेश है। पिछले साढे छ: दशकों के दौरान, पखनि ने देश के विभिन्न राज्यों में यूरेनियम एवं थोरियम संसाधनों के लिए सर्वेक्षण एवं अन्वेषण का कार्य किया है और काफी मात्रा में संसाधनों की पहचान की है। पखनि ने अक्तूबर, 2016 की स्थिति के अनुसार अभी तक 2,44,947 टन (टी) *स्वस्थाने* U_3O_8 (2,07,715 टन U) एवं लगभग 1.07 मिलियन टन (मि.ट.) ThO_2 युक्त 11.935 मि.ट. मोनाजाइट (थोरियम और विरल मृदा युक्त खनिज) स्थापित किया है। यूरेनियम संसाधनों का राज्य-वार विवरण निम्नानुसार है :

राज्य	यरेनियम के भंडार	
	U_3O_8 (टन)	U (टन)
आंध्र प्रदेश	1,18,852	1,00,786
तेलंगाना	18,550	15,731
झारखंड	64,392	54,604
मेघालय	23,040	19,538
राजस्थान	9,421	7,989
कर्नाटक	4,682	3,970
छत्तीसगढ़	3,986	3,380
उत्तर प्रदेश	785	666
उत्तराखंड	100	85
हिमाचल प्रदेश	784	665
महाराष्ट्र	355	301
कुल	2,44,947	2,07,715

[1 टन U_3O_8 = 0.848 t यूरेनियम धातु (U)]

-2/..

मोनाजाइट के कुल संसाधन 128 निक्षेपों में निहित है । *स्वस्थाने* मोनाजाइट संसाधनों का राज्य-वार विवरण नीचे दिया गया है :

राज्य	भंडारों की संख्या	संसाधन (मी.टन)
ओडीशा	10	2.41
आंध्र प्रदेश	26	3.72
तमिलनाडु	51	2.46
केरल	35	1.90
पश्चिम बंगाल	1	1.22
झारखंड	1	0.22
महाराष्ट्र	3	0.002
गुजरात	1	0.003
कुल	128	11.935

प्रवासक बालू से प्राप्त मोनाजाइट में लगभग 9-10% ThO_2 होता है।

(ग) पखनि द्वारा स्थापित यूरेनियम निक्षेपों का खनन एवं संसाधन परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) के एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) यूरेनियम कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) द्वारा किया जाता है। वर्तमान में, झारखंड के जादूगुड़ा, नरवापहाड़, बागजाता, भाटिन, बांडुहुरांग, तुरामडीह और मोहुलडीह तथा आंध्रप्रदेश के तुम्मलपल्ली के निक्षेपों का वाणिज्यिक दोहन यूसीआईएल द्वारा किया जाता है। गोगी, कर्नाटक और रोहिल, राजस्थान में खनन अन्वेषण चरण में है। लांबापुर-पेद्दागट्टू, तेलंगाना एवं केपीएम (डोमियासियात) और वाख्यन, मेघालय के निक्षेपों का दोहन आरंभ करने के प्रयास किए जा रहे हैं ।

इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल), जो पऊवि का एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, चावरा, केरल, मानवलाकुरूची, तमिलनाडु एवं उड़ीसा सैंड कॉम्प्लेक्स, ओडीशा स्थित खान एवं खनिज पृथक्करण संयंत्रों में, थोरियम युक्त खनिज मोनाजइट का उत्पादन कर रहा है । थोरियम-आधारित रिएक्टर प्रौद्योगिकी के विकास एवं प्रदर्शन के लिए स्वदेशी प्रयास प्रायोगिक चरण में हैं ।

****